भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2924
बुधवार, 17 दिसंबर, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्री खनन और प्रौद्योगिकी उन्नयन

†**2924. श्री नारायण तातू राणे:**

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उक्त क्षेत्र में समुद्री खनन एवं प्रौद्योगिकी उन्नयन को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा स्थापित हेलिपोर्ट चेतावनी प्रणालियों की संख्या कितनी है; और
(घ) मौसम संबंधी चेतावनी प्रसारित करने के लिए विकसित मोबाइल एप्लिकेशन का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) और (ख) जी हां। राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी), जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्थान है ने एक गहन समुद्र तल खनन प्रणाली डिज़ाइन किया है जिसका उद्देश्य 5500 मी. तक की गहराई से पॉलीमेटेलिक नोड्यूल्स का सतत दोहन करना है। दूरगामी आधार पर प्रचालित होने वाला सबमर्सिबल (ROSUB 6000) और दूरगामी आधार पर प्रचालित होने वाला यथा स्थाने मृदा परीक्षण उपकरण भी विकसित किया गया है। एनआईओटी ने मत्स्य 6000 नाम का एक मैन्ड सबमर्सिबल भी डिज़ाइन किया है।

(ग) भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश में पंद्रह (15) हेलीपोर्ट स्वचालित मौसम प्रेक्षण प्रणालियाँ (एडब्ल्यूओएस) स्थापित की हैं।

(घ) मौसम चेतावनियों के प्रसार के लिए उपयोग किए जाने वाले मोबाइल एप्लिकेशन हैं मौसम (मौसम पूर्वानुमान और चेतावनियों के लिए), मेघदूत (कृषि मौसम विज्ञान (एग्रो - मेट सेवाओं के लिए), दामिनी (बिजली की चेतावनी के लिए) और उमंग (मौसम पूर्वानुमान और चेतावनियों के लिए)।

*****